nt>

Title: Demand to enquire the contents of the soft drink "sprite" producued by the M/s Coca Cola.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल (बालाघाट) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक गम्भीर संकट की ओर सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं । शीतल पेयजल कोका-कोला के संबंध में एक रिपोर्ट "शिखरवार्ता" पत्रिका में छपी है। यह प्रकरण जो छपा है, वह मध्यम प्रदेश की राजधानी का है । वहां 15 वर्षीय एक बच्ची, हैलीकूल्स, द्वारा कोका-कोला स्प्राइट पीने से उसकी किडनियां खराब हो गई हैं ।

उस रिपोर्ट में दूसरा खतरनाक तथ्य यह है कि बेल्जियम और फ्रांस में स्प्राइट पर प्रतिबंध है। हमारे जितने भी इंटरनेट के अंदर वेबसाइट्स हैं, उन पर आपत्ति करने वाली रिपोर्ट भी उसमें छपी है। यहां हमारे एक माननीय सदस्य बैठे हैं, वह भोपाल से दो बोतलें लेकर आए। उसमें एक में पत्थर हैं और दूसरे में फंगस है। मैं आपसे नि वेदन करना चाहता हूं कि कोकाकोला ऐसा पेय है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में भी पीया जाता है। स्प्राइट के बारे में मैं भी नहीं जानता था, लेकिन जो मेडिकल रिपोर्ट छपी है उस पर अन्य देशों ने आपत्तियां व्यक्त की हैं और प्रतिबंध लगाया है। ऐसे शीतल पेय के संबंध में सरकार क्या कार्यवाही कर रही है? इसके लिए यदि हम कहीं पत्र लिखते हैं तो उसका जवाब भी नहीं आता। इसलिए मैं आपका संरक्षण चाहता हूं और सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि शीतल पेय आज की दुनिया में या देश में इतना सामान्य हो गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसका प्रयोग होने लगा है, इस खतरनाक संकट से आप निजात दिलाएं। सरकार उस पर तत्काल कार्यवाही करे।